चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 21 सितंबर 2026, अंक –362.

प्रस्तुतिः- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

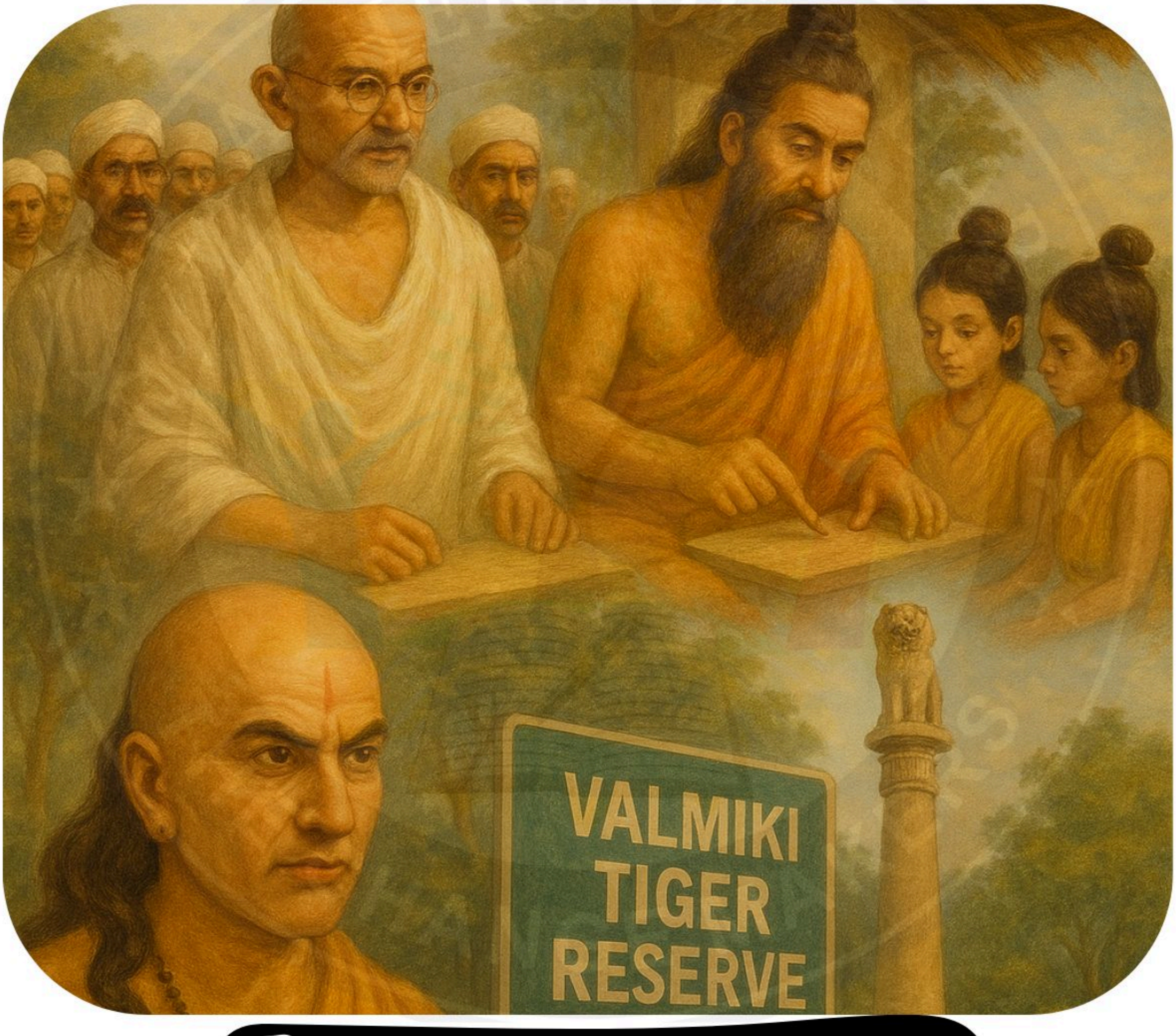

> "जो धारण करने योग्य है, वहीं धर्म वह है।"

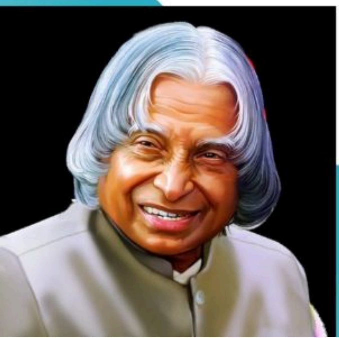

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक
उन्नति की ओर....

संपादकः- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Monday Prayer

सुबह सवेरे लेकर तेरा नाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।

सदा हमारे सिर पर तेरा हाथ रहे,
हर सुख-दुख संकट में तेरा साथ रहे,
हां, हर सुख-दुख संकट में तेरा साथ रहे;
खुशियों का हो जीवन में आयाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

मिलकर इस धरती को चमन बनाएं हम,
गांधी, गौतम, रामकृष्ण बन जाएं हम।
हां, गांधी, गौतम, रामकृष्ण बन जाएं हम;
यही हमारा हो हरदम पैगाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

मात-पिता की सेवा और सम्मान करें,
उनकी खुशियों पर सब कुछ कुर्बान करें।
हां, उनकी खुशियों पर सब कुछ कुर्बान करें।
अच्छे कर्म का अच्छा परिणाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

शुद्ध भाव से तेरा ध्यान लगाएं हम,
विद्या का वरदान तुम्हीं से पाए हम।
हाँ, विद्या का वरदान तुम्हीं से पाए हम।
तुम्ही से है आगाज़ तुम्हीं से अंजाम प्रभु,
करते है हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

गुरुओं का सत्कार कभी न भूले हम,
इतना बनें महान गगन को छु ले हम।
हाँ, इतना बनें महान गगन को छु ले हम।
तुम्हीं से है हर सुबह तुम्ही से शाम प्रभु,
करते है हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा...

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,

भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:

भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –

(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. उरुग्वे की राजधानी क्या है?
उत्तर: मोंटेवीडियो
प्रश्न 2. भारत का पहला राष्ट्रीय उद्यान कौन-सा था?
उत्तर: हैली राष्ट्रीय उद्यान
प्रश्न 3. 'धीमसा' किस राज्य का प्रसिद्ध लोकनृत्य है?
उत्तर: आंध्र प्रदेश
प्रश्न 4. यदि किसी संख्या का 25% = 20 है, तो वह संख्या क्या होगी?
उत्तर: 80
प्रश्न 5. बिहार का ककोलत जलप्रपात किस जिले में स्थित है?
उत्तर: नवादा
प्रश्न 6. गिद्ध मुख्य रूप से किस प्रकार का भोजन करता है?
उत्तर: मृत जीव
प्रश्न 7. मुद्रण यंत्र के आविष्कार से किसका नाम प्रमुख रूप से जुड़ा है?
उत्तर: योहान गुटेनबर्ग
प्रश्न 8. भारत के राज्यपाल की नियुक्ति कौन करता है?
उत्तर: राष्ट्रपति
प्रश्न 9. 'जो आसानी से विश्वास कर ले' — उसके लिए एक शब्द क्या है?
उत्तर: विश्वासशील
प्रश्न 10. लोहे की कील को पानी में रखने पर कुछ समय बाद उस पर लाल-भूरी परत बनती है उसे क्या कहते हैं?
उत्तर: जंग

संकलन:-

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

1️⃣ **Pilot - पायलट - विमान चालक**
2️⃣ **Sailor - सेलर - नाविक**
3️⃣ **Sculptor - स्कल्प्टर - मूर्तिकार**
4️⃣ **Painter - पेंटर - चित्रकार**
5️⃣ **Musician - म्यूज़िशियन - संगीतकार**
6️⃣ **Actor - ऐक्टर - अभिनेता**
7️⃣ **Dancer - डांसर - नर्तक / नर्तकी**

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

आज का Structure: “He/She is not going to + V1”
(वह ... करने वाला/वाली नहीं है।)

वह आज बाहर जाने वाला नहीं है। – He is not going to go outside today.
वह आज खाना बनाने वाली नहीं है। – She is not going to cook food today.
वह यह किताब खरीदने वाला नहीं है। – He is not going to buy this book.
वह आज टीवी देखने वाली नहीं है। – She is not going to watch TV today.
वह हमारी मदद करने वाला नहीं है। – He is not going to help us.

संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

प्र.1. प्रतिवर्ष 21 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र द्वारा विश्व भर में युद्ध विराम और अहिंसा को बढ़ावा देने हेतु कौन-सा अंतरराष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है? (महत्वपूर्ण दिवस)

उत्तर: अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस (International Day of Peace)

व्याख्या: 21 सितंबर को प्रतिवर्ष 'अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस' (International Day of Peace) मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 1981 में संकल्प 36/67 के माध्यम से इसकी स्थापना की थी, तथा वर्ष 2001 में संकल्प 55/282 द्वारा इसे 24 घंटे के वैश्विक संघर्ष विराम (Ceasefire) और अहिंसा के दिवस के रूप में नामित किया गया। इस अवसर पर न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में 'शांति की घंटी' (Peace Bell) बजाई जाती है, जिसे जापान के संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा सभी महाद्वीपों के बच्चों से एकत्र किए गए सिक्कों से ढाला गया था। यह दिवस स्थायी विकास, मानवाधिकार और वैश्विक बंधुत्व के प्रति जागरूकता का आह्वान करता है।

संदर्भ: UN General Assembly Resolutions 36/67 & 55/282;

प्र.2. सितंबर 2026 में भारत सरकार के खान मंत्रालय द्वारा किस दुर्लभ रणनीतिक खनिज के अपतटीय खनन (Offshore Mining) के पहले वाणिज्यिक ब्लॉकों की नीलामी प्रक्रिया सफलतापूर्वक शुरू की गई? (समसामयिक घटना)

उत्तर: लिथियम एवं पॉलीमेटैलिक नोड्यूल्स

व्याख्या: सितंबर 2026 में केंद्रीय खान मंत्रालय ने 'अपतटीय क्षेत्र खनिज (विकास एवं विनियमन) संशोधन अधिनियम' के अंतर्गत भारत के विशेष आर्थिक क्षेत्र (EEZ) में लिथियम, निकल, कोबाल्ट और दुर्लभ मृदा तत्वों (REE) से युक्त अपतटीय ब्लॉकों की प्रथम वाणिज्यिक नीलामी का चरण शुरू किया। इलेक्ट्रिक वाहनों (EV) की बैटरियों और नवीकरणीय ऊर्जा ग्रिड भंडारण के लिए लिथियम व कोबाल्ट अनिवार्य घटक हैं। यह कदम भारत की स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण यात्रा में रणनीतिक खनिजों के वैश्विक आयात पर निर्भरता घटाने और घरेलू विनिर्माण को गति देने की दिशा में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है।

संदर्भ: Ministry of Mines Press Release September 2026;

प्र.3. मुंशी प्रेमचंद द्वारा रचित वह कौन-सा प्रसिद्ध हिंदी उपन्यास है, जिसमें विधवा विवाह, अनमेल विवाह और 1920 के दशक के भारतीय समाज में स्त्री स्वावलंबन के संघर्ष का मर्मस्पर्शी चित्रण किया गया है? (पुस्तक एवं लेखक)

उत्तर: प्रतिज्ञा (1927)

व्याख्या: 'प्रतिज्ञा' (1927) मुंशी प्रेमचंद द्वारा रचित एक महत्वपूर्ण सामाजिक उपन्यास है, जो मूल रूप से उनके पूर्व उपन्यास 'प्रेमा' (1907) का परिष्कृत एवं परिवर्धित रूप है। इसमें मुख्य पात्र अमृतराय, पूर्णा और प्रेमा के माध्यम से तत्कालीन हिंदू समाज में विधवाओं की दयनीय स्थिति, पितृसत्तात्मक संकीर्णता और अनमेल विवाह के दुष्प्रभावों पर तीखा प्रहार किया गया है। उपन्यास का केंद्रीय संदेश विधवा पुनर्विवाह को सामाजिक मान्यता दिलाना तथा 'वनिता आश्रम' जैसी संस्थाओं के माध्यम से बेसहारा नारियों को शिक्षित व आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाकर उन्हें समाज में गरिमापूर्ण स्थान दिलाना है।

संदर्भ: मुंशी प्रेमचंद — 'प्रतिज्ञा', हंस प्रकाशन/राजकमल प्रकाशन; NCERT Hindi Class 11 (अंतरा भाग-1 साहित्य संदर्भ);

प्र.4. पारिस्थितिक तंत्र में किसी भी पोषण स्तर पर उपलब्ध कुल संचित बायोमास को प्राथमिक उपभोक्ताओं (शाकाहारियों) द्वारा खाए जाने के बाद नई जैविक सामग्री बनाने की दर को क्या कहते हैं? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)

उत्तर: द्वितीयक उत्पादकता (Secondary Productivity)

व्याख्या: पारिस्थितिक तंत्र में उत्पादकों (हरे पौधों) द्वारा संश्लेषित ऊर्जा को 'प्राथमिक उत्पादकता' (Primary Productivity) कहा जाता है। इसके विपरीत, उपभोक्ताओं (शाकाहारी एवं मांसाहारी जंतुओं) द्वारा अपने पोषण स्तर पर नए कार्बनिक पदार्थ (बायोमास) के निर्माण की दर को 'द्वितीयक उत्पादकता' (Secondary Productivity) कहते हैं। जब शाकाहारी जीव पौधों को खाते हैं, तो वे ऊर्जा का एक बड़ा भाग श्वसन, ताप नियमन और मल-उत्सर्जन में व्यय कर देते हैं; केवल शेष बचा भाग ही उनके शारीरिक ऊतकों के निर्माण में प्रयुक्त होता है, जो आगे मांसाहारी जीवों के लिए ऊर्जा का स्रोत बनता है।

संदर्भ: NCERT Biology Class 12, Ch 14 "पारितंत्र" (Ecosystem), p. 260–263;

प्र.5. 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के दौरान अवध की किस वीरांगना बेगम ने अपने नाबालिग पुत्र बिरजिस कादिर को नवाब घोषित कर लखनऊ में अंग्रेजों के विरुद्ध भीषण विद्रोह का नेतृत्व किया था? (इतिहास)

उत्तर: बेगम हजरत महल ('महक परी')

व्याख्या: 1857 के महान राष्ट्रीय विद्रोह में अवध की बेगम हजरत महल (नवाब वाजिद अली शाह की बेगम) ने लखनऊ में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के विरुद्ध अभूतपूर्व सैन्य नेतृत्व प्रदान किया। 1856 में डलहौजी द्वारा 'कुशासन' का झूठा आरोप लगाकर अवध का विलय कर लिए जाने से जनता में भारी असंतोष था। बेगम ने मौलवी अहमदुल्लाह शाह और स्थानीय जमींदारों के सहयोग से लखनऊ रेजीडेंसी को महीनों तक घेरे रखा और ब्रिटिश सेना को भारी क्षति पहुंचाई। लखनऊ के पतन के बाद भी उन्होंने आत्मसमर्पण करने के बजाय नेपाल की तराई में शरण ली और अंतिम सांस तक स्वाभिमान से जीती रहीं।

संदर्भ: NCERT History Class 8 (हमारे अतीत-3), Ch 5 "जब जनता बगावत करती है: 1857 और उसके बाद", p. 55–58;

प्र.6. अरब सागर में गिरने वाली वह कौन-सी प्रसिद्ध नदी है जो मध्य प्रदेश के धार जिले में विंध्याचल श्रेणी से निकलती है और कर्क रेखा (23^\circ 30'\text{ N}) को दो बार काटती है? (भूगोल)

उत्तर: माही नदी (Mahi River)

व्याख्या: माही नदी पश्चिमी भारत की एक महत्वपूर्ण नदी है, जिसकी कुल लंबाई लगभग 583 किलोमीटर है। इसका उद्गम मध्य प्रदेश के धार जिले में विंध्याचल पर्वत श्रेणी की 'सरदारपुर' पहाड़ियों की मेहद झील से होता है। यह मध्य प्रदेश से उत्तर की ओर राजस्थान के बांसवाड़ा और डूंगरपुर (वागड़ क्षेत्र) में बहती है, जहाँ यह कर्क रेखा को पहली बार पार करती है। तत्पश्चात यह दक्षिण-पश्चिम की ओर मुड़कर कर्क रेखा को दोबारा काटती हुई गुजरात में प्रवेश करती है और खंभात की खाड़ी (अरब सागर) में विसर्जित हो जाती है। यह भारत की एकमात्र ऐसी प्रमुख नदी है जो कर्क रेखा को दो बार पार करती है। इस पर राजस्थान का 'माही बजाज सागर बांध' और गुजरात का 'कड़ाना बांध' स्थित हैं।

संदर्भ: NCERT Geography Class 9 (समकालीन भारत-1), Ch 3 "अपवाह", p. 22–24;

प्र.7. भारतीय संविधान का कौन-सा अनुच्छेद राज्य विधानमंडल द्वारा पारित किसी विधेयक को राज्यपाल द्वारा भारत के राष्ट्रपति के विचारार्थ सुरक्षित रखने का अधिकार देता है? (राजनीति एवं संविधान)

उत्तर: अनुच्छेद 200 (विधेयकों पर सहमति)

व्याख्या: भारतीय संविधान के भाग-VI में राज्य विधायिका के अंतर्गत 'अनुच्छेद 200' राज्यपाल की विधायी शक्तियों से संबंधित है। जब राज्य विधानमंडल द्वारा कोई विधेयक पारित कर राज्यपाल के समक्ष प्रस्तुत किया जाता है, तो उनके पास चार विकल्प होते हैं: (1) वे विधेयक पर अपनी अनुमति दे दें; (2) अनुमति रोक लें; (3) गैर-धन विधेयक को पुनर्विचार हेतु लौटा दें; अथवा (4) वे विधेयक को राष्ट्रपति के विचारार्थ 'आरक्षित' (Reserve) रख लें। विशेष रूप से यदि कोई विधेयक उच्च न्यायालय की शक्तियों को कम करता हो, तो राज्यपाल के लिए उसे राष्ट्रपति के विचारार्थ सुरक्षित रखना अनिवार्य होता है। इसके उपरांत अनुच्छेद 201 के तहत राष्ट्रपति उस पर निर्णय लेते हैं।

संदर्भ: Constitution of India, Part VI, Articles 200 & 201; NCERT Political Science Class 11 (भारत का संविधान: सिद्धांत और व्यवहार), Ch 7 "संघवाद", p. 156–160;

प्र.8. दृष्टि के किस दोष में आंख की कॉर्निया या क्रिस्टलीय लेंस की वक्रता की असमानता के कारण व्यक्ति को क्षैतिज और ऊर्ध्वाधर रेखाएं एक साथ स्पष्ट नहीं दिखाई देती हैं, और इसके निवारण हेतु किस लेंस का उपयोग किया जाता है? (विज्ञान)

उत्तर: अबिंदुकता (एस्टिग्मैटिज्म / Astigmatism); बेलनाकार लेंस (Cylindrical Lens)

व्याख्या: अबिंदुकता (Astigmatism) आंख का एक सामान्य दृष्टि दोष है जो कॉर्निया या अभिनेत्र लेंस की गोलीय वक्रता में विषमता (अपूर्ण गोलाई) के कारण उत्पन्न होता है। इसमें आंख विभिन्न तलों (क्षैतिज और ऊर्ध्वाधर) में आने वाली प्रकाश किरणों को रेटिना पर एक ही बिंदु पर केंद्रित नहीं कर पाती। फलस्वरूप व्यक्ति एक ही दूरी पर स्थित क्षैतिज तथा ऊर्ध्वाधर रेखाओं को एक साथ स्पष्ट रूप से नहीं देख पाता और वस्तु विकृत या धुंधली प्रतीत होती है। इस दृष्टि दोष के सटीक निवारण हेतु चश्मे में उपयुक्त अक्षीय कोण वाले 'बेलनाकार लेंस' (Cylindrical Lens) का प्रयोग किया जाता है, जो असमान वक्रता को संतुलित कर देता है।

संदर्भ: NCERT Science Class 10, Ch 11 "मानव नेत्र तथा रंगबिरंगा संसार", p. 212–215;

प्र.9. मध्य प्रदेश के रायसेन जिले में बेतवा नदी की घाटी में स्थित 10,000 वर्ष से अधिक प्राचीन वे कौन-सी प्रागैतिहासिक शैलकृत गुफाएं हैं, जो भारत में मानव जीवन के आरंभिक शैलचित्रों (Rock Paintings) के लिए यूनेस्को धरोहर हैं? (कला एवं संस्कृति)

उत्तर: भीमबेटका की गुफाएं (Bhimbetka Rock Shelters)

व्याख्या: भीमबेटका मध्य प्रदेश के रायसेन जिले में विंध्य पर्वतमाला के दक्षिणी छोर पर स्थित भारत का सबसे समृद्ध प्रागैतिहासिक शैल-आश्रय स्थल है। इसकी खोज 1957-58 में प्रसिद्ध पुरातत्वविद डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर ने की थी। यहाँ 750 से अधिक शैल-आश्रय मिले हैं, जिनमें से 500 से अधिक गुफाओं में पुरापाषाण, मध्यपाषाण और नवपाषाण काल के शैलचित्र विद्यमान हैं। प्राकृतिक गेरू (लाल रंग) और सफेद खड़िया से बने इन चित्रों में जंगली जानवरों (बाघ, हाथी, गैंडा, सांभर), शिकार के दृश्यों, नृत्यों और सामुदायिक अनुष्ठानों का सजीव अंकन है। वर्ष 2003 में इसे यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया।

संदर्भ: NCERT Class 11 Fine Arts (भारतीय कला का परिचय-1), Ch 1 "प्रागैतिहासिक शैलचित्र", p. 1–8;

प्र.10. बिहार के मुंगेर जिले में गंगा नदी के तट पर स्थित वह कौन-सा प्रसिद्ध गर्म जलकुंड है, जिसके पानी का तापमान लगभग 70^\circ\text{C} रहता है और जिसमें गंधक (सल्फर) की उपस्थिति के कारण चर्मरोग नाशक गुण पाए जाते हैं? (बिहार सामान्य ज्ञान)

उत्तर: सीता कुंड (मुंगेर)

व्याख्या: बिहार के मुंगेर नगर से लगभग 6 किलोमीटर पूर्व में स्थित 'सीता कुंड' राज्य का सबसे प्रसिद्ध प्राकृतिक गर्म जल कुंड है। भू-तापीय ऊर्जा और भूमिगत विवर्तनिक दरारों के कारण इसके जल का तापमान सामान्यतः 65^\circ\text{C} से 70^\circ\text{C} तक खौलता हुआ रहता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार माता सीता ने अग्निपरीक्षा के उपरांत इसी जल में स्नान किया था। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से इस जल में गंधक (सल्फर) और अन्य खनिज लवण घुले होते हैं, जिसके कारण इस पानी में जीवाणुरोधी और त्वचा संबंधी विकारों को ठीक करने की प्राकृतिक क्षमता होती है। इसके निकट ही राम कुंड, लक्ष्मण कुंड और भरत कुंड स्थित हैं जिनका पानी सामान्य और शीतल रहता है।

संदर्भ: Geological Survey of India (GSI) Geothermal Springs Report;

"सामान्य-ज्ञान"

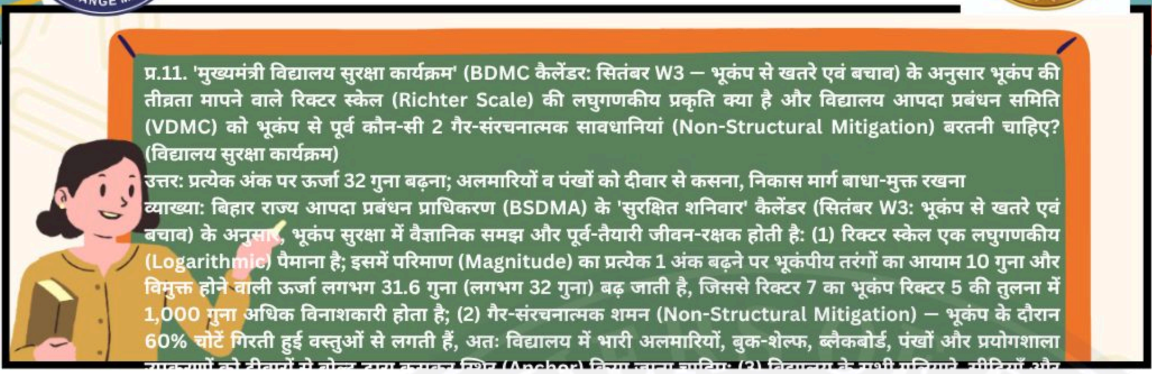

प्र.11. 'मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम' (BDMC कैलेंडर: सितंबर W3 – भूकंप से खतरे एवं बचाव) के अनुसार भूकंप की तीव्रता मापने वाले रिक्टर स्केल (Richter Scale) की लघुगणकीय प्रकृति क्या है और विद्यालय आपदा प्रबंधन समिति (VDMC) को भूकंप से पूर्व कौन-सी 2 गैर-संरचनात्मक सावधानियां (Non-Structural Mitigation) बरतनी चाहिए? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)

उत्तर: प्रत्येक अंक पर ऊर्जा 32 गुना बढ़ना; अलमारियों व पंखों को दीवार से कसना, निकास मार्ग बाधा-मुक्त रखना

व्याख्या: बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (BSDMA) के 'सुरक्षित शनिवार' कैलेंडर (सितंबर W3: भूकंप से खतरे एवं बचाव) के अनुसार, भूकंप सुरक्षा में वैज्ञानिक समझ और पूर्व-तैयारी जीवन-रक्षक होती है: (1) रिक्टर स्केल एक लघुगणकीय (Logarithmic) पैमाना है; इसमें परिमाण (Magnitude) का प्रत्येक 1 अंक बढ़ने पर भूकंपीय तरंगों का आयाम 10 गुना और विमुक्त होने वाली ऊर्जा लगभग 31.6 गुना (लगभग 32 गुना) बढ़ जाती है, जिससे रिक्टर 7 का भूकंप रिक्टर 5 की तुलना में 1,000 गुना अधिक विनाशकारी होता है; (2) गैर-संरचनात्मक शमन (Non-Structural Mitigation) – भूकंप के दौरान 60% चोटें गिरती हुई वस्तुओं से लगती हैं, अतः विद्यालय में भारी अलमारियों, बुक-शेल्फ, ब्लैकबोर्ड, पंखों और प्रयोगशाला

संदर्भ: BSDMA Safe Saturday Training Module September W3 – "भूकंप से खतरे एवं बचाव के बारे में जानक

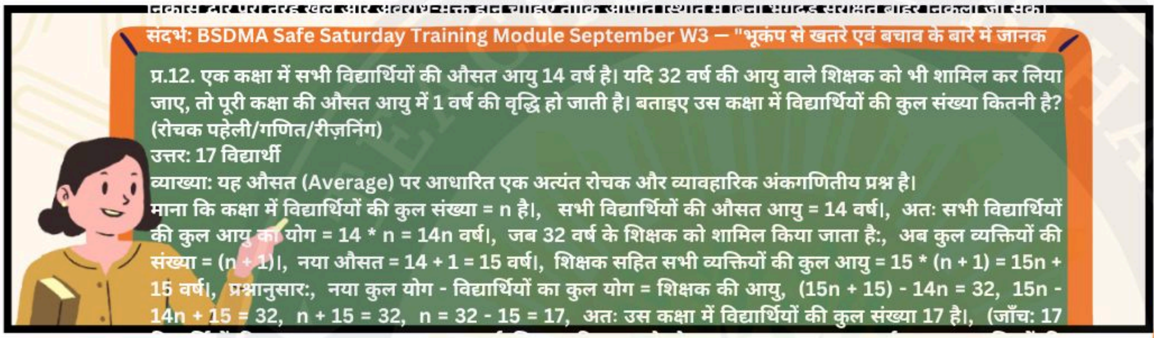

प्र.12. एक कक्षा में सभी विद्यार्थियों की औसत आयु 14 वर्ष है। यदि 32 वर्ष की आयु वाले शिक्षक को भी शामिल कर लिया जाए, तो पूरी कक्षा की औसत आयु में 1 वर्ष की वृद्धि हो जाती है। बताइए उस कक्षा में विद्यार्थियों की कुल संख्या कितनी है? (रोचक पहेली/गणित/रीज़निंग)

उत्तर: 17 विद्यार्थी

व्याख्या: यह औसत (Average) पर आधारित एक अत्यंत रोचक और व्यावहारिक अंकगणितीय प्रश्न है।

माना कि कक्षा में विद्यार्थियों की कुल संख्या = n है।, सभी विद्यार्थियों की औसत आयु = 14 वर्ष।, अतः सभी विद्यार्थियों की कुल आयु का योग = 14 * n = 14n वर्ष।, जब 32 वर्ष के शिक्षक को शामिल किया जाता है:, अब कुल व्यक्तियों की संख्या = (n + 1)।, नया औसत = 14 + 1 = 15 वर्ष।, शिक्षक सहित सभी व्यक्तियों की कुल आयु = 15 * (n + 1) = 15n + 15 वर्ष।, प्रश्नानुसार:, नया कुल योग - विद्यार्थियों का कुल योग = शिक्षक की आयु, (15n + 15) - 14n = 32, 15n - 14n + 15 = 32, n + 15 = 32, n = 32 - 15 = 17, अतः उस कक्षा में विद्यार्थियों की कुल संख्या 17 है।, (जाँच: 17

GS संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण।

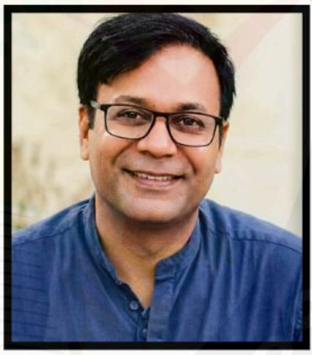

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

1. Astute (अस्ट्यूट) = Shrewd (श्रूड) = चतुर / सूझबूझ वाला / बुद्धिमानी से निर्णय लेने वाला
    Antonym – Naive (नाइवी) = भोला / अनुभवहीन
2. Contrite (कन्ट्राइट) = Remorseful (रिमॉर्सफुल) = पश्चातापी / पछतावे से भरा
    Antonym – Unrepentant (अनरिपेन्टेन्ट) = अपश्चातापी / अपने किए पर पछतावा न करने वाला
3. Inept (इनेप्ट) = Incompetent (इनकॉम्पिटेन्ट) = अयोग्य / अकुशल
    Antonym – Competent (कॉम्पिटेन्ट) = सक्षम / योग्य
4. Magnanimous (मैग्नैनिमस) = Generous (जेनरस) = उदार / बड़े दिल वाला
    Antonym – Petty (पेटी) = संकीर्ण सोच वाला / तुच्छ
5. Precarious (प्रिकेरियस) = Risky (रिस्की) = जोखिमपूर्ण / अस्थिर
    Antonym – Secure (सिक्योर) = सुरक्षित / स्थिर

~: **संकलन** :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

PM Modi distributes 51,000+ appointment letters at 20th Rozgar Mela; says youth will drive India to Viksit Bharat by 2047

हिन्दी अनुवाद: PM मोदी ने 20वें रोज़गार मेले में 51,000+ नियुक्ति पत्र वितरित किए; कहा – युवा 2047 तक भारत को विकसित भारत बनाएंगे।�

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 19 सितंबर को 20वें रोज़गार मेले में 51,000 से अधिक नए भर्ती हुए उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र सौंपे। ये भर्तियाँ राजस्व विभाग, रेलवे मंत्रालय, गृह मंत्रालय, स्वास्थ्य मंत्रालय, वित्तीय सेवा विभाग और रक्षा मंत्रालय सहित कई केंद्रीय मंत्रालयों में हैं। PM ने कहा कि आज के युवा 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में अग्रणी भूमिका निभाएंगे। UPSC/BPSC के लिए: Rozgar Mela – रोजगार मेला; Viksit Bharat 2047 – विकसित भारत 2047; Central government jobs – केंद्रीय सरकारी नौकरियाँ।

Yogi Adityanath pledges 1 lakh government jobs in Uttar Pradesh within 6 months; 818 UPPSC, UPSSSC selectees receive appointment letters

हिन्दी अनुवाद: योगी आदित्यनाथ ने 6 महीने में 1 लाख सरकारी नौकरियों का वादा किया; 818 UPPSC, UPSSSC चयनितों को नियुक्ति पत्र मिले। �

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में 818 UPPSC और UPSSSC चयनितों को नियुक्ति पत्र सौंपे और अगले 6 महीनों में एक लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियाँ देने का वादा किया। उन्होंने पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया पर जोर दिया और पिछली सरकारों की आलोचना की। UPSC/BPSC के लिए: UPPSC – उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग; UPSSSC – उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग; State PSC – राज्य लोक सेवा आयोग।

Bihar CM Samrat Choudhary donates one month's salary to flood relief fund; BJP chief Nitin Gadkari donates three months' salary

हिन्दी अनुवाद: बिहार CM सम्राट चौधरी ने बाढ़ राहत के लिए एक महीने का वेतन दान किया; BJP अध्यक्ष नितिन गडकरी ने तीन महीने का वेतन दान किया।�

बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने 19 सितंबर को बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए एक महीने का वेतन मुख्यमंत्री राहत कोष में दान किया। इससे पहले BJP राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन गडकरी ने तीन महीने का वेतन (6.35 लाख रुपये) दान किया था। हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (धर्मनिरपेक्ष) ने भी 11 लाख रुपये दान किए। UPSC/BPSC के लिए: CM Relief Fund – मुख्यमंत्री राहत कोष; NDMA – राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण; SDMA – राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण।

INTERNATIONAL NEWS

World leaders gather at UNGA amid Middle East and Ukraine wars; Xi Jinping to skip General Assembly for one-on-one talks with Trump

हिन्दी अनुवाद: विश्व नेता मध्य पूर्व और यूक्रेन युद्धों के बीच UNGA में इकट्ठे; शी जिनपिंग वन-ऑन-वन वार्ता के लिए General Assembly छोड़ेंगे।�

संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) के उच्च-स्तरीय सप्ताह के लिए विश्व नेता न्यूयॉर्क में इकट्ठे हो रहे हैं। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग General Assembly को छोड़कर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ वन-ऑन-वन वार्ता करेंगे। ट्रम्प अगले सप्ताह ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं को केंद्र में रखते हुए UN कूटनीति करेंगे और खाड़ी नेताओं से मिलेंगे। UPSC/BPSC के लिए: UNGA – संयुक्त राष्ट्र महासभा; UNSC – संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद; GCC – खाड़ी सहयोग परिषद।

Iran warns US against new escalation; says it has information of planned attack by US and allies

हिन्दी अनुवाद: ईरान ने US को नई वृद्धि से चेतावनी दी; कहा – US और सहयोगियों द्वारा योजनाबद्ध हमले की जानकारी है।�

ईरान ने रविवार को संयुक्त राज्य अमेरिका और उसके सहयोगियों द्वारा किसी भी बड़े नए हमले के खिलाफ चेतावनी दी, यह कहते हुए कि उसे ऐसे कदम की तैयारी की जानकारी है। यह बयान सऊदी अरब पर ड्रोन और मिसाइल हमलों के बाद आया है जो क्षेत्र में पहले से ही तनाव को बढ़ा रहा है। ईरान की संसद के स्पीकर मोहम्मद-बाग़ेर ग़ालिबाफ़ ने कहा कि तेहरान को लड़ना और बातचीत दोनों करनी होगी। UPSC/BPSC के लिए: Strait of Hormuz – होर्मुज़ जलडमरूमध्य; GCC – खाड़ी सहयोग परिषद; NPT – परमाणु अप्रसार संधि।

Trump to hold talks with Gulf leaders over Iran war next week at UNGA; focuses on postwar strategy

हिन्दी अनुवाद: ट्रम्प अगले सप्ताह UNGA में ईरान युद्ध पर खाड़ी नेताओं से वार्ता करेंगे; युद्ध के बाद की रणनीति पर ध्यान।�

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प अगले मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा के मार्जिन पर खाड़ी सहयोग परिषद (GCC) के नेताओं से ईरान युद्ध पर चर्चा करेंगे। बैठक में US के युद्ध के बाद की रणनीति के प्रस्तावों पर चर्चा होगी जो नवंबर में US मध्यवधि चुनावों के बाद अंतिम रूप दिया जाएगा। सऊदी अरब, UAE, कतर, बहरीन, कुवैत और ओमान के नेता शामिल होंगे। UPSC/BPSC के लिए: GCC – खाड़ी सहयोग परिषद; UNGA – संयुक्त राष्ट्र महासभा; Iran nuclear deal – ईरान परमाणु समझौता।

BIHAR NEWS

Bihar floods: Nearly 50 lakh affected across 15 districts; Ganga, Gandak, Kosi still flowing above danger mark
हिन्दी अनुवाद: बिहार बाढ़: 15 जिलों में लगभग 50 लाख प्रभावित; गंगा, गंडक, कोसी अभी भी खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं।�
बिहार में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है। लगभग 50 लाख लोग 15 जिलों में प्रभावित हैं। गंगा, गंडक, कोसी, बुरही गंडक, पुनपुन, बागमती और घाघरा नदियां विभिन्न स्थानों पर खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। 16 सितंबर को केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में एक केंद्रीय टीम ने बाढ़ क्षति का आकलन किया था। UPSC/BPSC के लिए: CWC — केंद्रीय जल आयोग; HFL — Highest Flood Level; NDRF/SDRF — राष्ट्रीय/राज्य आपदा मोचन बल।

Hindustani Awam Morcha donates ₹11 lakh to Bihar CM Relief Fund; MPs, MLAs donate one month's salary
हिन्दी अनुवाद: हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा ने बिहार CM राहत कोष में 11 लाख रुपये दान किए; सांसदों, विधायकों ने एक महीने का वेतन दान किया।
�
हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (धर्मनिरपेक्ष) ने 20 सितंबर को बिहार में बाढ़ से प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष में 11 लाख रुपये दान किए। पार्टी के सांसदों, विधायकों और विधान परिषद के सदस्यों ने भी बाढ़ राहत प्रयासों के हिस्से के रूप में एक महीने का वेतन दान किया। UPSC/BPSC के लिए: CM Relief Fund — मुख्यमंत्री राहत कोष; SDMA — राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण; Disaster management — आपदा प्रबंधन।

SPORTS NEWS

Hockey: India women beat Uzbekistan 19-0, men thrash Indonesia 13-1 in Asian Games openers
हिन्दी अनुवाद: हॉकी: भारत महिलाओं ने उज़्बेकिस्तान को 19-0 से हराया, पुरुषों ने इंडोनेशिया को 13-1 से हराया एशियाई खेल के उद्घाटन मैच में।�
भारतीय महिला हॉकी टीम ने एशियाई खेल 2026 में उज़्बेकिस्तान को 19-0 से हराकर अभियान की शुरुआत की। दीपिका ने आठ गोल किए। पुरुष टीम ने इंडोनेशिया को 13-1 से हराया। दिलप्रीत सिंह ने शानदार प्रदर्शन किया। दोनों टीमों ने पूल चरण में शीर्ष स्थान की दावेदारी पेश की। UPSC/BPSC के लिए: FIH — अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ; AHF — एशियाई हॉकी महासंघ; Asian Games — एशियाई खेल।

MMA: Suchika Tariyal confirms medal for India in women's 60kg at Asian Games
हिन्दी अनुवाद: MMA: सुचिका तारियाल ने एशियाई खेल में महिलाओं के 60 किग्रा वर्ग में भारत के लिए पदक पक्का किया।
�
भारतीय MMA खिलाड़ी सुचिका तारियाल ने महिलाओं के 60 किग्रा पारंपरिक वर्ग के क्वार्टरफाइनल में मंगोलिया की अलतानचिमेग बैगलमा को हराकर कम से कम कांस्य पदक पक्का किया। यह एशियाई खेलों में MMA में भारत का पहला पदक है। UPSC/BPSC के लिए: MMA — मिश्रित मार्शल आर्ट्स; Asian Games — एशियाई खेल; IMMAF — अंतरराष्ट्रीय MMA महासंघ।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण ।

🌱 **"इंजीनियरिंग और तकनीक से राष्ट्र का निर्माण होता है — हर समस्या का समाधान नवाचार में है।"**

प्रेरक प्रसंग

कर्म का फल

बचपन में खेलते समय हम कई बार ऐसी शरारत कर बैठते हैं, जिनके परिणाम के बारे में सोचते तक नहीं। लेकिन हर जीव के प्रति दया और संवेदना रखना हमारी जिम्मेदारी है।

कहा जाता है कि बालक मांडव्य एक दिन बगीचे में रंग-बिरंगी तितली के पीछे दौड़ रहे थे। तितली उनके हाथों में आ गई। खेल ही खेल में, उन्होंने सूखी घास के एक नुकीले तिनके से उस तितली के पंख को भेद दिया। नन्ही तितली दर्द से कांप उठी, छटपटाई और शांत हो गई। मांडव्य उस घटना को भूल गए और अपने खेल में लग गए।

वर्षों बीत गए। वही बालक आगे चलकर अपनी घोर तपस्या, सत्य और पवित्रता के बल पर महान 'मांडव्य ऋषि' के नाम से विख्यात हुए।

एक दिन आश्रम में कुछ चोर चोरी का धन छिपाने के लिए जा घुसे। पीछे से आए सैनिकों ने मौन साधना में लीन ऋषि को भी चोरों का साथी मान लिया। निर्दोष ऋषि को शूली पर चढ़ाने का क्रूर दंड दिया गया। वर्षों की अखंड तपस्या के बावजूद, उनकी देह को असह्य वेदना और रक्तपात से गुजरना पड़ा। बाद में जब सच्चाई सामने आई, तो राजा ने उनसे क्षमा माँगी। पर शूली की तीखी चुभन ऋषि के अंतर्मन को झकझोर चुकी थी।

आहत ऋषि ने यमलोक पहुंचकर धर्मराज से पूछा, "हे धर्मराज! मैंने जीवन भर केवल धर्म का आचरण किया, फिर मुझे यह अमानवीय यातना क्यों मिली?"

मांडव्य ऋषि ने धर्मराज से पूछा, "मैंने ऐसा कौन-सा अपराध किया था, जिसका इतना कठोर परिणाम मिला?"

धर्मराज ने उनके बचपन की उस घटना का स्मरण कराया। यह कथा हमें बताती है कि किसी जीव को अनावश्यक पीड़ा देना कभी उचित नहीं है।

बच्चों, इस कहानी का सबसे महत्वपूर्ण संदेश यही है कि हमें अपने हर व्यवहार में दया और जिम्मेदारी रखनी चाहिए। किसी छोटे या कमजोर जीव को केवल मनोरंजन के लिए परेशान करना भी गलत है।

सीख: "हम अपने किए कर्मों को भूल सकते हैं, लेकिन हर कर्म हमारे चरित्र पर अपनी छाप छोड़ता है। इसलिए हर जीव के प्रति दया रखें और सोच-समझकर कर्म करें।"

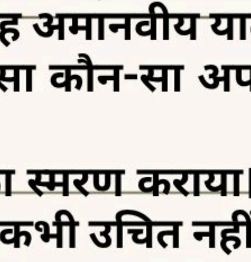

................✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

अनुभाग-7

"माथा-पच्ची"

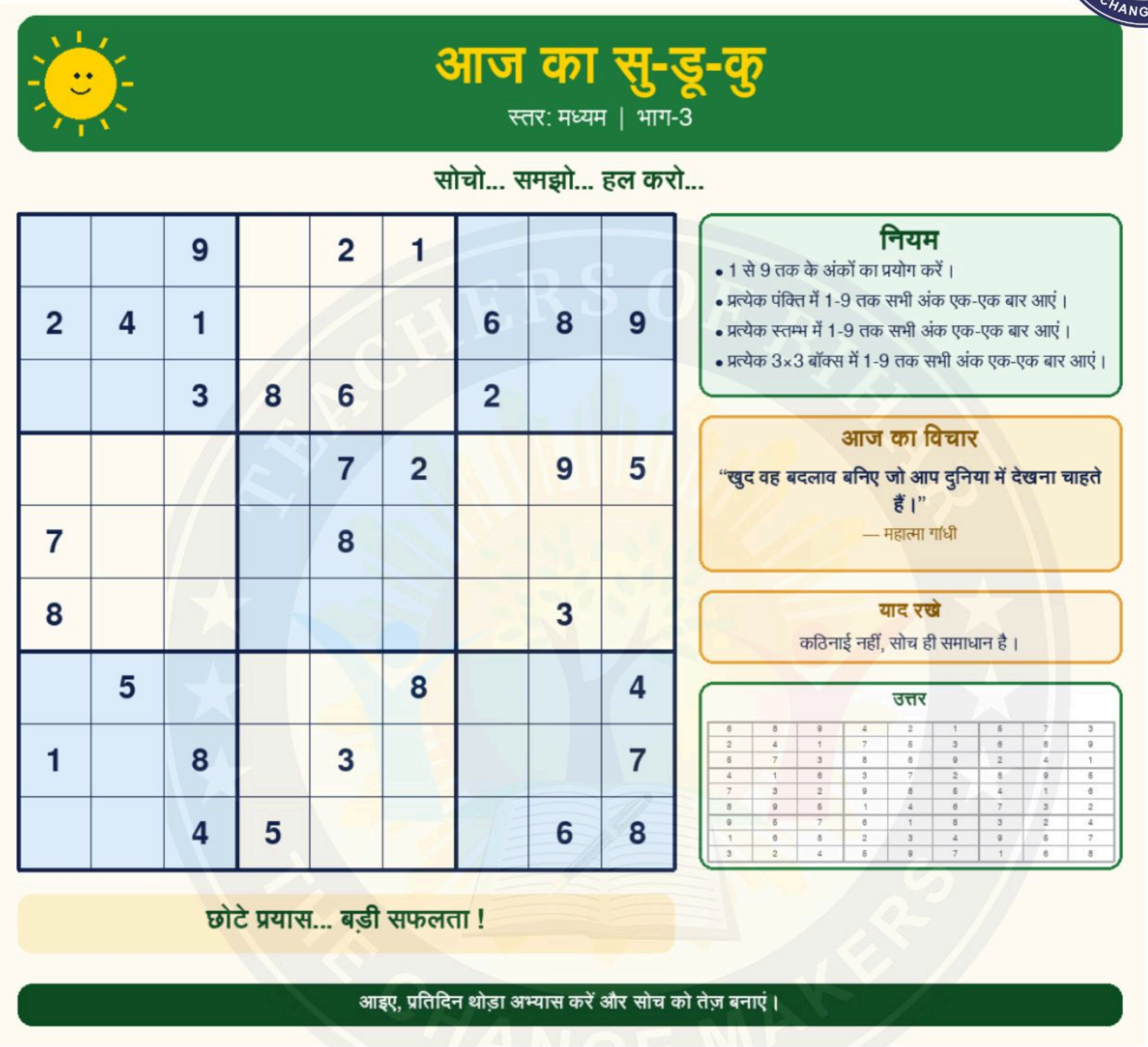

आज का सु-डू-कु

स्तर: मध्यम | भाग-3

सोचो... समझो... हल करो...

		9		2	1			
2	4	1				6	8	9
		3	8	6		2		
				7	2		9	5
7				8				
8							3	
	5				8			4
1		8		3				7
		4	5				6	8

नियम

- 1 से 9 तक के अंकों का प्रयोग करें।
- प्रत्येक पंक्ति में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएं।
- प्रत्येक स्तम्भ में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएं।
- प्रत्येक 3×3 बॉक्स में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएं।

आज का विचार

"खुद वह बदलाव बनिए जो आप दुनिया में देखना चाहते हैं।"

— महात्मा गांधी

याद रखे

कठिनाई नहीं, सोच ही समाधान है।

उत्तर

6	8	9	4	2	1	5	7	3
2	4	1	7	5	3	6	8	9
5	7	3	8	6	9	2	4	1
4	1	6	3	7	2	8	9	5
7	3	2	9	8	5	4	1	6
8	9	5	1	4	6	7	3	2
9	5	7	6	1	8	3	2	4
1	6	8	2	3	4	9	5	7
3	2	4	5	9	7	1	6	8

छोटे प्रयास... बड़ी सफलता!

आइए, प्रतिदिन थोड़ा अभ्यास करें और सोच को तेज़ बनाएं।

"Picture of the Day"

"अच्छी ख़बर"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र|बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

"शिक्षक संवर्धन"

चंपारण ज्ञानाग्रह टीम द्वारा जारी बुलेटिन।

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

हि विशेष

चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छूट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01

सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न हैं, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वों का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में पेंरक प्रसंग शामिल है।

---

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026

बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयाह से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

संवाद सूत्र, जागरण• बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यवहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार,

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

राव, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

सप्तऋषि माडल से सर्वांगीण

संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि माडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह माडल विद्यार्थियों के मानसिक,

> सरकारी विद्यालयो मे इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास मे सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।
>
> **फूदन राम**, बीईओ, बगहा दो

संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर: पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

"भारत निर्माता, जीवनी शतकम्"

अनुभाग-8

अमर शहीद पंडित राम प्रसाद 'बिस्मिल'

प्यारे बच्चों, क्या आपने कभी यह जोशीला गीत सुना है—"सरफ़रोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है, देखना है ज़ोर कितना बाज़ू-ए-कातिल में है"? जब भी यह तराना गूँजता है, तो आँखों के सामने एक ऐसे वीर नौजवान की तस्वीर उभर आती है, जिसके एक हाथ में पिस्तौल और दूसरे हाथ में ज्ञान की कलम थी। वे थे अमर क्रांतिकारी पंडित राम प्रसाद 'बिस्मिल'। बिस्मिल जी का जन्म 11 जून 1897 को उत्तर प्रदेश के शाहजहाँपुर नगर में हुआ था। उनके पिता का नाम पंडित मुरलीधर था, जो नगरपालिका में काम करते थे और बहुत सख्त मिज़ाज व ईमानदार व्यक्ति थे। उनकी माता का नाम श्रीमती मूलमती देवी था। माँ मूलमती अत्यंत स्नेहमयी, धर्मपरायण और अदम्य साहस वाली वीरांगना थीं। नन्हे राम प्रसाद पर अपनी माँ के संस्कारों और ममता की सबसे गहरी छाप पड़ी।

बचपन में नन्हे राम प्रसाद बड़े चंचल, जिज्ञासु और पढ़ने-लिखने के बेहद शौकीन थे। वे हिंदी और उर्दू दोनों भाषाओं में बहुत सुंदर कविताएँ लिखते थे। जब वे कविताएँ लिखते, तो अपना उपनाम 'बिस्मिल' रखते थे, जिसका अर्थ होता है—घायल या तड़पता हुआ दिल। उनका दिल अपनी भारत माता को ग़ुलामी की जंजीरों में तड़पता देखकर बहुत रोता था। वे स्वामी दयानंद सरस्वती के विचारों से गहरे प्रेरित हुए और आर्य समाज से जुड़ गए। वे रोज़ व्यायाम करते, अखाड़े में कुश्ती लड़ते और शरीर को फौलाद जैसा मजबूत बनाते थे। वे केवल किताबों के पन्ने पलटने वाले कवि नहीं थे, बल्कि अपनी लिखी हर ओजस्वी पंक्ति को अपनी ज़िंदगी में सच कर दिखाने वाले महावीर थे।

बड़े होकर उन्होंने देखा कि आज़ादी की लड़ाई लड़ने वाले युवाओं के पास हथियारों और किताबों के लिए धन की भारी कमी थी। तब उन्होंने चंद्रशेखर आज़ाद, शचींद्रनाथ सान्याल और अपने सबसे प्यारे मुस्लिम मित्र अशफ़ाक़ उल्ला खाँ के साथ मिलकर 'हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन' बनाई। राम प्रसाद और अशफ़ाक़ की दोस्ती हिंदू-मुस्लिम एकता की मिसाल थी; दोनों एक-दूसरे पर जान छिड़कते थे। देशभक्तों ने तय किया कि वे किसी भारतीय नागरिक को नहीं लूटेंगे, बल्कि अंग्रेजों का सरकारी खजाना छीनकर हथियार खरीदेंगे। 9 अगस्त 1925 को लखनऊ के पास काकोरी नामक स्टेशन पर उन्होंने सरकारी खजाने से भरी ट्रेन को रोक लिया। बिस्मिल जी के कुशल नेतृत्व में क्रांतिकारियों ने बिना किसी निर्दोष को चोट पहुँचाए अंग्रेज़ सरकार का खजाना जब्त कर लिया। इस ऐतिहासिक घटना को 'काकोरी ट्रेन एक्शन' कहा जाता है।

इस घटना से घबराकर अंग्रेज़ पुलिस ने छापा मारकर कई क्रांतिकारियों को पकड़ लिया, जिनमें बिस्मिल जी भी शामिल थे। जेल की कालकोठरी में भी उनका हौसला रत्ती भर कम नहीं हुआ। वहाँ उन्होंने अपनी आत्मकथा लिखी और अनेक देशभक्ति गीत रचे। 19 दिसंबर 1927 को गोरखपुर की जेल में जब उन्हें फाँसी के फंदे की ओर ले जाया जा रहा था, तब भी उनके चेहरे पर कोई डर नहीं था। वे मुस्कुराते हुए अपनी ही कविता गुनगुना रहे थे और 'भारत माता की जय' बोलते हुए हँसते-हँसते फाँसी के फंदे को गले लगा लिया। प्यारे बच्चों, राम प्रसाद 'बिस्मिल' का पावन जीवन हमें सिखाता है कि निडर बनो, सच्ची दोस्ती निभाओ, अपनी कलम से समाज को जगाओ और अपनी मातृभूमि के सम्मान के लिए सदैव सर्वस्व न्योछावर करने को तत्पर रहो।

...........✍️

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।
(10010803702)
📱-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080
teachersofbihar@gmail.com
+917250818080
www.teachersofbihar.org